रूह नैनां खोले तो दीदार हो जाए,
पिया चरणों में तेरे साथ जग जाए

1– सुख अपनी निसवत के साक्षात मिल जायें
पिया आप जो चाहो तो बात बन जाए
फिर हुकम इलम को छोड़ तेरा इश्क मिल जाए

2– जब फैल हाल तेरे रूहों को मिल जायें
तेरी वाहेदत में जो एक है,वो एक हो जायें
कहनी से जुदा होकर रहनी में आ जायें

3–जिस दिल में पिया हरपल बस तुमही रहते हो
अपने ही इलम से अपना सुख लज्जत देते हो
वो लज्जत लेकर के दिल वापिस फिर जाए

4– जब रूबरू तेरे तेरी रूहें होवेंगी
नैनों से नैनों का अमीरस पीवेंगी
वो नैन नजारा नूरी तेरा अब तो मिल जाए

Nijanand App